कार्यवृत्त
गुरूवार, 18 मार्गशीर्ष, शक संवत्, 1943
(दिनांक : 09 दिसम्बर, 2021)

खण्ड–61
अंक–1

विधान सभा का कार्य सभा मण्डप, देहरादून में दिन के 11:00 बजे श्री अध्यक्ष की अध्यक्षता में राष्ट्रीय गीत ''वन्दे मातरम्'' के साथ आरम्भ हुआ।

श्री अध्यक्ष ने कहा कि बड़े दुख का विषय है कि जनरल विपिन रावत सी0डी0एस0 का निधन हो गया, आज के उपवेशन में हम इनको श्रद्वाजंलि देंगे।

मा0 मुख्यमंत्री ने जनरल विपिन रावत सी0डी0एस0 के प्रति निधन पर शोकोद्गार व्यक्त किये।

दिवंगत जनरल विपिन रावत सी0डी0एस0 के निधन पर माननीय नेता प्रतिपक्ष एंव माननीय संसदीय कार्यमंत्री ने शोकोद्गार व्यक्त किये तथा निम्नलिखित मा0 सदस्यों ने भी शोकोद्गार व्यक्त किये :–

1. श्री मदन कौशिक,
2. श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत,
3. श्री करन माहरा,
4. श्री सतपाल महाराज,
5. श्री विनोद चमोली,
6. श्री गोविन्द सिंह कुंजवाल,

11 बजकर 58 मिनट पर श्री उपाध्यक्ष पीठासीन हुए।

7. श्री गणेश जोशी,
8. श्री अरविन्द पाण्डेय,
9. डा0 हरक सिंह रावत,
10. श्री मनोज रावत,
11. श्री यतीश्वरानन्द,
12. श्रीमती रेखा आर्या,
13. श्री मुन्ना सिंह चौहान,
14. श्री विशन सिंह ,
15. श्री सुबोध उनियाल,
16. श्रीमती चन्द्रा पन्त,
17. श्री धन सिंह नेगी,
18. श्री सहदेव सिंह पुण्डीर,
19. श्री सौरभ बहुगुणा,
20. श्री देशराज कर्णवाल चमार साहब,

01 बजकर 12 मिनट पर श्री अध्यक्ष पीठासीन हुए।

21. श्री राम सिंह कैड़ा,
22. श्री हरबन्स कपूर,
23. श्री भरत चौधरी,
24. श्री मुकेश सिंह कोली,
25. श्री विनोद कण्डारी,
26. श्री संजय गुप्ता,

श्री अध्यक्ष ने भी अपनी शोक संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि अत्यंत दुःख का विषय है कि भारत के प्रथम सी0डी0एस0 जनरल विपिन रावत जी का तमिलनाडु के कुन्नूर में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में निधन हो गया। मेरा मन अत्यंत व्यथित है। जब दुर्घटना की खबर मुझ तक पहुँची तो मन स्तब्ध हर गया। मन में शंका के बादल छाने लगे और शाम होते होते आशंका सत्य हो गयी। काल ने जनरल रावत को हमेशा हमसे छीन लिया था। इस हृदयविदारक घटना में उनके साथ उनकी धर्मपत्नी श्रीमती मधुलिका रावत तथा 11 अत्य सैन्य अधिकारियों की भी मौत हो गयी, जिससे देश की बहुत बड़ी क्षति हुई है। साथ ही ग्रुप कैप्टन वरूण सिंह जी, जो इस दुर्घटना में घायल हैं उनका इलाज चल रहा है। भगवान करें वे शीघ्र स्वस्थ हों।

जनरल विपिन रावत का जन्म 16 मार्च, 1958 को उत्तराखण्ड के पौड़ी गढ़वाल जिले में हुआ था। आपके पिता लेफ्टिनेंट जनरल लक्ष्मण सिंह रावत था। आपकी प्रारम्भिक शिक्षा देहरादून तथा शिमला हुई। जनरल बिपिन रावत ने भारतीय सेना अकादमी से स्नातक, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय से रक्षा एवं प्रबन्धन में एम फिल की डिग्री तथा मद्रास विश्वविद्यालय से डिफेन्स स्टडीज में भी एम फिल की उपाधि प्राप्त की तथा वर्ष 2011 में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय से मिलिट्री मीडिया स्ट्रैटजिक स्टडीज में पी0एच0डी0 की डिग्री प्राप्त की। जनरल बिपिन रावत ने दिनांक 16 दिसम्बर, 1978 को इन्फैंट्री की ग्यारहवीं गोरखा राइफल्स की पाँचवीं बटालियन की कमान उनके पिता ने संभाली थी।

वे असाधारण योद्धा थे, विलक्षण प्रतिभा के धनी थे, देश के सच्चे सपूत थे तथा देशभक्ति उनके अन्दर कूट–कूट कर भरी थी। देश के मा0 प्रधानमंत्री की 15 अगस्त, 2019 की घोषणा पर देश के पहले सी0डी0एस0 बने। सेना के सर्वोच्च पद पर थे। उनकी इच्छा शक्ति मजबूत थी। तभी सर्जिकल स्ट्राईक जैसे अनेकों कार्यों में उनकी अहम भूमिका रही है। उन्होंने सेना को आधुनिक तकनीक से सुसज्जित करने में बडा योगदान दिया। उनसे भारत के दुश्मन भी घबराते थे। उनके मुख से निकली बोली दुश्मनों को गर्जना दिखती थी।

जनरल विपिन रावत एक विशिष्ट प्रतिभा वाले अलंकृत सैन्य अधिकारी थे। प्रशिक्षण के दौरान ही उन्होंने ''सोर्ड ऑफ ऑनर'' का गौरव प्राप्त किया। वे न केवल उत्कृष्ट फील्ड कर्मी थे वरन् रणनीति तथा सम्पूर्ण सैन्य शास्त्र में पारंगत थे। देश ही नहीं उन्होंने विदेश में भारतीय सेना का झण्डा बुलन्द किया। उन्हें उनके द्वारा किये गये उत्कृष्ट कार्यों के लिए परम विशिष्ट सेवा पदक, उत्तम युद्ध सेवा पदक, अति विशिष्ट सेवा पदक, युद्ध सेवा पदक, सेना पदक तथा विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया। कांगो में उन्होंने बहुराष्ट्रीय ब्रिगेड की कमान संभाली, जिस बेहतरीन कार्य के लिए उन्हें दो बार फोर्स कमाण्डर्स कमेंडेशन से सम्मानित किया गया। अकादमिक अभिरूचि वाले जनरल रावत ने राष्ट्रीय सुरक्षा और सैन्य नेतृत्व पर कई लेख लिखे हैं जो विभिन्न पत्र–पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए।

देवभूमि उत्तराखण्ड के पौड़ी जिले के सैंज गाँव में जन्मे जनरल रावत उत्तराखण्ड के वे सपूत थे तो देश के सेना के सर्वोच्च पद पर पहुँच कर भी अपनी माटी से जुड़े रहे। उन्हें पहाड़ों से बेहद लगाव था तथा यहीं पर बसने की योजना बना रहे थे। वे हमेशा पहाड़ों के विकास की बात किया करते थे और उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्रों में हो रहे पलायन को लेकर सदैव चिन्तित रहते थे। उन्होंने पर्वतीय क्षेत्रों के युवाओं को सेना में प्रवेश हेतु लम्बाई में छूट देने में विशेष योगदान दिया तथा उनकी योजना में उत्तराखण्ड में सैन्य भर्ती केन्द्र की स्थापना का भी विशेष स्थान था।

न केवल उन्हें अपनी इस जन्मभूमि से लगाव था वरन् प्रदेश का प्रत्येक नागरिक भी उन्हें दिल की गहराइयों से चाहता था। मेरे मत शायद ही प्रदेश का ही नहीं वरन् देश का कोई नागरिक ऐसा नागरिक होगा जो दिल को झकझोर कर देने वाली इस घटना से उद्वेलित न हुआ हो। कल की दुर्घटना में उनके निधन से पूरा प्रदेश शोक में है। उनसे हमारे लगाव का सूचक यह है कि आज यह सम्मानित सदन अपने सभी औपचारिक कार्यों को स्थगित करते हुए उनको अपनी विनम्र श्रद्धान्जलि दे रहा है। मैं भी अनुरोध कर रहा हूँ उनकी यादें चिरस्थायी रहे, जिसके लिये सरकार किसी बड़े संस्थान का नाम उनके नाम से रखे।

जनरल रावत उन विरले लोगों में से थे जिनके बारे में कहा जा सकता है–

''कोई चलता पद चिन्हों पर, कोई पद चिन्ह बनाता है।

बस वही शूरमा वीर पुरूष, दुनिया मे पूजा जाता है।।

देता संघर्षों को न्यौता, मानवता की खातिर जंग में,

ठोकर से करता दूर सदा, जो भी बाधा आती पग में।।

जो दान रक्त देकर भी, अपना कर्तव्य निभाता है।

बस वही शूरमा वीर पुरूष दुनिया में पूजा जाता है।।

उन्होंने कहा कि वे सदन की भावनाओं को उनके शोक संतृप्त परिवार तक पहुँचा देंगे। तत्पश्चात सदन में दो मिनट का मौन रखा गया।

श्री अध्यक्ष ने सूचित किया कि कार्य–मंत्रणा समिति ने दिनांक 08 दिसम्बर, 2021 की बैठक में दिनांक 09 एवं 10 दिसम्बर, 2021 तक के उपवेशनों का कार्यक्रम निम्नलिखित रूप में रखे जाने की सिफारिश की है:–

दिसम्बर, 2021

09 गुरूवार	निधन के निदेश।
10 शुक्रवार	वित्तीय वर्ष 2021–22 की द्वितीय अनुपूरक अनुदान मांगों का प्रस्तुतीकरण

संसदीय कार्य मंत्री ने प्रस्ताव किया कि यह सदन कार्य–मंत्रणा समिति की सिफारिश, जिसकी सूचना माननीय अध्यक्ष द्वारा सदन को दी गई है, से सहमत है। प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

सदन की कार्यवाही 01 बजकर 43 मिनट पर अगले दिन 11:00 बजे तक के लिये स्थगित हुई।

मुकेश सिंघल,
सचिव (प्रभारी)
विधान सभा।

स्वीकृत,
प्रेम चन्द अग्रवाल,
अध्यक्ष,
विधान सभा।